1964. राजस्थान में किस स्थान पर प्रतिवर्ष 12 सितम्बर को 'वृक्ष महोत्सव' मनाया जाता है?

(a) मन्डोर (जोधपुर) (b) खेजड़ी (जोधपुर)
(c) फलोदी (जोधपुर) (d) सरदारपुरा (जोधपुर)

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (b) 12 सितंबर 1930 को अमृता देवी विश्नोई के नेतृत्व में 84 गाँव की महिलाओं ने खेजड़ी के हरे वृक्षों को बचाने के लिए व्यापक जन आंदोलन किया। वृक्षों को बचाने में बड़े पैमाने पर विश्नोई समाज के लोग शहीद हुए थे। यह आंदोलन खेजड़ी (जोधपुर) नामक स्थान पर हुआ था। जहाँ प्रतिवर्ष 12 सितंबर को वृक्ष महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस आंदोलन के कारण इस क्षेत्र में वृक्षों की कटाई और शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

1965. क्षेत्रफल के अवरोही क्रम में राजस्थान में वन प्रकार की कौनसी क्रमावली सही है-

(a) शुष्क पर्णपाती-मिश्रित पर्णपाती-ऊष्णकटिबन्धीय काँटेदार -उपोष्ण कटिबन्धीय सदारहित
(b) मिश्रित पर्णपाती -शुष्क पर्णपाती-ऊष्णकटिबन्धीय काँटेदार -उपोष्ण कटिबन्धीय सदारहित
(c) उपोष्ण कटिबन्धीय सदारहित-मिश्रित पर्णपाती-शुष्क पर्णपाती-ऊष्णकटिबन्धीय काँटेदार
(d) ऊष्णकटिबन्धीय काँटेदार -उपोष्ण कटिबन्धीय सदारहित -शुष्क पर्णपाती-मिश्रित पर्णपाती

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (a) राजस्थान के वन प्रकारों के क्षेत्रफल का अवरोही क्रम है- शुष्क पर्णपाती-मिश्रित पर्णपाती - उष्णकटिबंधीय काँटेदार-उपोष्ण कटिबंधीय सदाहरित वन। राजस्थान में प्राकृतिक संरचना के कारण यहाँ भारत के अन्य राज्यों की तुलना में वनों का विस्तार अपेक्षाकृत कम है।

1966. निम्नांकित में से राजस्थान के कौन से जिले में तेंदू पत्ती का उत्पादन नहीं होता है?

(a) उदयपुर (b) सिरोही
(c) बारां (d) झालावाड़

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2022

Ans. (*) : तेंदू पत्ता राजस्थान राज्य का एक प्रमुख जंगली उत्पाद है। इसका प्रयोग 'बीड़ी' बनाने में किया जाता है। यह मुख्य रूप से राजस्थान के झालावाड़, बांरा,कोटा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर व डूंगरपुर जिले में तथा आंशिक रूप से, बूंदी, सिरोही भीलवाड़ा, पाली धौलपुर और अलवर जिले में उत्पादित होता है। इस प्रकार कोई भी विकल्प सही नहीं है।

1967. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय कंटीले वन मिलते हैं?

(a) सिरोही (b) बाँसवाड़ा
(c) चुरू (d) कोटा

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (c) : उष्णकटिबंधीय कटीले वन 70cm से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं। ये वन राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, पाली, बीकानेर, चुरु, नागौर, सीकर, झुंझुनू इत्यादि जिलों में पाये जाते हैं।

1968. राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन कब प्रारंभ हुआ?

(a) 1990 में (b) 1993 में
(c) 1992 में (d) 1991 में

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (d) : भारत सरकार ने वर्ष 1988 में नई राष्ट्रीय नई वन नीति प्रतिपादित की थी। इसी नीति के अनुपालन के क्रम में भारत सरकार ने जून 1990 को सभी राज्यों को एक पत्र जारी कर इन नीति को लागू करने को कहा था। राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन नीति मार्च 1991 से प्रारम्भ हुआ।

1969. हरे वृक्षों की रक्षा के लिए किस सम्प्रदाय को जाना जाता है?

(a) विश्नोई (b) रामस्नेही
(c) निरंजनी (d) लालदासी

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (a) : हरे वृक्षों की रक्षा के लिए विश्नोई समुदाय प्रसिद्ध है। राजस्थान का विश्नोई समुदाय 18 वीं शताब्दी के शुरूआती भाग में वृक्षों के काटने की रोक हेतु संघर्ष किया। अमृता देवी नामक एक महिला के नेतृत्व में 84 गांवों के एक बड़े समूह ने अपना जीवन दांव पर लगा दिया। विश्नोई सम्प्रदाय के संस्थापक जम्भोजी थे।

1970. राजस्थान में 75 से 110 से.मी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कौनसे वन पाये जाते हैं?

(a) शुष्क वन (b) मिश्रित पतझड़ वन
(c) शुष्क सागवान वन (d) उपोष्ण सदाबहार वन

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (c) : राजस्थान में 75 से 110 सेमी. वार्षिक वर्ष वाले क्षेत्र में शुष्क सागवान वन पाये जाते हैं। राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान झालावाड़ तथा न्यूनतम वर्षा वाला स्थान जैसलमेर है। राजस्थान की जलवायु को 10 भागों में विभाजित किया गया। राजस्थान में दोनों मानसूनी शाखाओं (अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी) से वर्षा होती है।

1971. स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले तीन जिले हैं-

(a) उदयपुर, अलवर तथा प्रतापगढ़
(b) उदयपुर, बारां तथा अलवर
(c) उदयपुर, बारां तथा चित्तौड़गढ़
(d) अलवर, बारां तथा प्रतापगढ़

RPSC- 2022
RPSC ARO/AARO- 2022
संगणक भर्ती परीक्षा- 2021
कनिष्ठ अभियंता (डिप्लोमाधारक)- 2020
कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (a) : राजस्थान वन रिपोर्ट-2021 के अनुसार सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले जिले-उदयपुर, अलवर तथा प्रतापगढ़ है। सबसे कम क्षेत्रफल वाला जिला चुरू है। राजस्थान वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार राजस्थान में वन क्षेत्र का विस्तार 32864.62 वर्ग किलोमीटर है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.60 प्रतिशत तथा भारत के वन क्षेत्रफल का 4.23 प्रतिशत है।

1972. राजस्थान में पलाश के वन कौन से जिलों में पाये जाते हैं?

(a) अलवर, अजमेर, उदयपुर, राजसमंद
(b) कोटा, बूंदी, बारां, सवाई माधोपुर
(c) नागौर, जालौर, भरतपुर, बारां
(d) बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018